



भगवान विश्वकर्मा की मनाई गई जयंती

स्लीमनाबाद। सृष्टि के सृजनकर्ता व प्रथम शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जयंती गुरुवार को स्लीमनाबाद तहसील क्षेत्र में उत्साह पूर्वक मनाई गई। विश्वकर्मा समाज के लोगो ने घरो के साथ प्रतिष्ठानों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर विश्व कल्याण की कामना की। स्लीमनाबाद स्थित निहाल बेल्डिंग वर्कशॉप पंडित जयप्रकाश पाठक के द्वारा भगवान श्री विश्वकर्मा का पूजन विधि विधान से कराया गया। विश्वकर्मा पूजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी पर विकास और निर्माण कार्यों का शुभारंभ भगवान विश्वकर्मा ने किया था। सृष्टि के सृजक भगवान विश्वकर्मा द्वारा प्रारंभ कार्यों को आज विश्वकर्मा समाज परिश्रम करने में जुटा है। यह कार्यक्रम समाज है। विधि विधान से पूजन अर्चना उपरांत आरती कर विश्व कल्याण की कामना की गई और प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान रतन गुप्ता, केशव दुबे , अजय दुबे, नीरज गुप्ता, राहुल हल्दकार, निहाल विश्वकर्मा, उमेश जैन, पंकज गुप्ता, विनय जायसवाल, अमित विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा, सौरभ हल्दकार, राहुल ठाकुर, प्यारे विश्वकर्मा, अनिल गौतया, राजा हल्दकार सहित लोगो की उपस्थिति रही।

देशी कट्टा एवं कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार कटनी।

कोतवाली पुलिस द्वारा गायत्री नगर पुलिसा के पास से एक युवक को 315 बोर के देशी कट्टे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली थाने में पहले से छह आपराधिक प्रकरण दर्ज होना बताया गया है। पुलिस के अनुसार 16-17 सितंबर को दरम्यानी रात सुखबिर से सूचना मिली थी कि गायत्री नगर पुलिसा के पास रेलवे पंप हाउस वाली रोड पर एक युवक देशी कट्टा लेकर घूम रहा है और आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन को देखकर एक युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अतुल निषाद पिता महेश निषाद 26 साल निवासी खिरहनी फाटक बताया। तलाशी लेने पर उसकी कमर से 315 बोर का एक देशी कट्टा तथा पेट की जेब से एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। हथियार के संबंध में लाइसेंस अथवा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध कोतवाली थाने में पूर्व से छह आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। कार्रवाई में खिरहनी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक किशोर कुमार द्विवेदी सहित पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 21 सितंबर को कटनी।

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशानुसार 21 सितंबर को शाम 5 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। जिला सड़क सुरक्षा समिति कटनी की सचिव एवं कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग शारदा सिंह ने बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी, आयुक्त नगर निगम, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचआई, कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग जबलपुर सहित सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

रोजगार मेला आज कटनी।

जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशानुसार शुक्रवार, 18 सितम्बर को ग्राम पंचायत भवन बड़वारा में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

ई-रिक्शा से विद्यार्थियों के परिवहन पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध, कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

विद्यार्थियों की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, लापरवाही मिली तो कार्यवाही तय स्कूली बच्चों के परिवहन में लगे वाहनों का नियमित अंतराल पर सघन निरीक्षण करने निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ॥ कटनी

जिले में स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष तिवारी ने अशासकीय विद्यालयों में संचालित वाहनों के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तथा सभी अशासकीय विद्यालयों के संचालकों एवं प्राचार्यों को निर्धारित सुरक्षा मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

ये निर्देश सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन, मोटरयान अधिनियम 1988, केंद्रीय मोटरयान नियम 1989 एवं मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के प्रावधानों के अनुरूप जारी किए गए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार स्कूली वाहनों में आरटीओ द्वारा प्रमाणित आवश्यक



दस्तावेज, चालक का वैध ड्रायविंग लाइसेंस, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी एग्जिट द्वार, अग्निशमन यंत्र, सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गवर्नर, पैनिंक बटन एवं जीपीएस सिस्टम उपलब्ध होना अनिवार्य रहेगा। वाहनों में निर्धारित सीट कैपैसिटी के अनुसार ही विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। बसों में पुरुष एवं महिला कंडक्टर की व्यवस्था के निर्देश भी दिए गए हैं।

ई-रिक्शा से स्कूली विद्यार्थियों का परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि ई-रिक्शा से स्कूली छात्र-छात्राओं का परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को स्कूली बच्चों के परिवहन में लगे वाहनों का नियमित अंतराल पर सघन निरीक्षण अभियान चलाने तथा निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के विरुद्ध

नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि यदि विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के परिवहन की व्यवस्था की जाती है तो संबंधित शाला प्रबंधन को निर्धारित स्कूल बस गाइडलाइन का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना होगा। वहीं, यदि परिवहन की व्यवस्था किसी अन्य स्तर पर की गई है, तब भी शाला प्रबंधन की जवाबदेही रहेगी। विद्यालय प्रबंधन को बच्चों के आवागमन में लगे सभी वाहनों की जानकारी संधारित करते हुए निर्धारित सुरक्षा मापदंडों का पालन सुनिश्चित करना होगा।

निर्देशों का पालन नहीं होने पर संबंधित वाहन के संबंध में शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित निर्देशों का पालन नहीं करने की स्थिति में संबंधित शाला प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए शाला प्रबंधन स्वयं जवाबदेह होगा।

फसल अवशेष जलाने पर दुष्प्रभावों की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ॥ ढीमरखेड़ा

कृषि विज्ञान केन्द्र, पिपरीध कटनी द्वारा विकासखंड ढीमरखेड़ा में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर ब्लॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संजय वैशम्पायन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनके वैज्ञानिक एवं उपयोगी प्रबंधन के लिए जागरूक करना रहा।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण, मृदा में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की कमी, जैविक कार्बन एवं पोषक तत्वों की हानि तथा मुदा



स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जानकारी दी। किसानों को फसल अवशेषों के इन-सीट एवं एक्स-सीट प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही मल्ट्र, श्रेडर, सुपर सीडर आदि कृषि यंत्रों के उपयोग तथा फसल अवशेषों को खेत में ही प्रबंधित करने की तकनीकों के बारे में बताया गया। वैज्ञानिकों ने कहा कि फसल

अवशेष अपशिष्ट नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण कृषि संसाधन हैं, जिनका उचित प्रबंधन मुदा स्वास्थ्य एवं कृषि उत्पादन के लिए उपयोगी है। कार्यक्रम में कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री श्याम जी एवं कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को फसल अवशेषों को नहीं जलाने तथा वैज्ञानिक प्रबंधन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित

किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक ए. के. तोमर, डॉ. आर. के. मिश्रा, डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव, डॉ. के. पी. द्विवेदी एवं डॉ. आर. पी. बैन उपस्थित रहे। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों की फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में कुल 155 किसानों ने सहभागिता की। किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा मुदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में “स्वच्छ खेत—स्वस्थ मिट्टी—समृद्ध किसान” के संदेश के साथ किसानों से फसल अवशेषों को जलाने के बजाय वैज्ञानिक तरीकों से प्रबंधन करने की अपील की गई।

सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा के साथ हुआ पूजा विधान, दशलक्षणा पर्व का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज़ ॥ स्लीमनाबाद

जैन धर्म के दशलक्षण (पर्वण) पर्व का आगाज बुधवार से हो गया है। प्रथम दिवस स्लीमनाबाद स्थित 1008 श्री पाश्र्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विविध धार्मिक पूजा विधान का आयोजन किया गया। पूरी समाज ने सामूहिक अभिषेक शांतिधारा करके दसलक्षण धर्म से संबंधित पूजन विधान का आयोजन किया। यह धार्मिक आयोजन आगामी दस दिनों तक नित्य आयोजित होंगे। इसके साथ ही दसलक्षण पर्व पर विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

दसलक्षण पर्व के प्रथम दिवस अर्थात उत्तम क्षमा धर्म परंपराओं के अनुसार आज के दिन उत्तम क्षमा

भगवान विश्वकर्मा जयंती पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन



भगवान विश्वकर्मा की जयंती के अवसर पर बड़वारा तहसील में कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें स्थानीय श्रमिकों के अलावा जिले के विभिन्न उद्योगों के श्रमिकों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं द्वारा भगवान विश्वकर्मा जयंती को राष्ट्रीय श्रम दिवस मनाने की बात कही गई। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री विनोद पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार से हमारा संगठन विगत कई वर्षों से 17 सितंबर को राष्ट्रीय श्रम दिवस घोषित करने की माँग करता आ रहा है। यह दिवस हमारी प्राचीन परंपरा और राष्ट्रीय विचारधारा का द्योतक है। भगवान विश्वकर्मा जयंती पूर्णरूप से भारतीय संस्कृति को इंगित करती है। इसलिए हमारी सरकारों से माँग चली आ रही है कि इस दिन को राष्ट्रीय श्रम दिवस घोषित किया जाए। तहसील अध्यक्ष गोविंद शर्मा ने कहा कि तहसील में बड़ी बड़ी फैक्ट्रियों और खदानें हैं। इन संस्थानों में काम करने वालों को श्रम कानूनों का लाभ नहीं मिल रहा है जिसके लिए संघ लगातार प्रयास कर रहा है और शीघ्र ही एक अँदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

दस धर्म की आराधनाएं हमारे जीवन को धार्मिक बनाने का देती है संदेश



धर्म पर प्रवचन पूजा आदि कार्यक्रम हुए। ब्रह्मचर्यश्रमि ऋषभ शास्त्री भैया ने पूरी समाज को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज को सिर्फ एक दिशा - निर्देशन देना है तदुपरांत पूरी समाज का धार्मिक वातावरण निर्मित हो जाता है। उन्होंने कहा कि सुख सुविधाओं का त्याग करके भगवान को भक्ति में अगर कोई व्यक्ति रमण करेगा तो निश्चित रूप से संत

महाराज उनकी प्रशंसा करें बिना कैसे रुक सकते हैं।

पंडित ऋषभ शास्त्री ने उत्तम क्षमा धर्म के विषय में समझाते हुए बताया कि हम अपने जीवन में क्रोध को इतना ज़्यादा महत्व दे देते हैं, क्षमा का हमारे हृदय में कोई स्थान बचता ही नहीं है। अगर हम अपने जीवन में सब कुछ क्रोध से ही मिल जाता क्षमा की आवश्यकता पड़ती

ही ना किंतु क्रोध ने आज तक प्रतिशोध के अलावा कुछ भी नहीं दिया है। जो आत्मा का शोध करना चाहते हैं व्यक्ति क्रोध से नहीं किंतु क्षमा से अपनी आत्मा के कल्याण का पथ का चयन करते हैं।

दसलक्षण पर्व में दस धर्मों की आराधनाएं होती है। दस धर्म की आराधनाएं हमारे जीवन को धार्मिक बनाने का संदेश देती है। हमे अपने सांसारिक जीवन को जीने में मदद करती है। इन दस धर्मों की आराधना की आवश्यकता सारे विश्व को है। जिस व्यक्ति ने धर्म के दस लक्षण के अनुसार जीवन जीना सीख लिया है वह कभी परेशान नहीं होता है। विश्व में जो हिंसा का तांडव है उससे विश्व को बचाना है तो दस धर्म की आराधना करने से सबको जोड़ना होगा।



बिजली बिल जमा नहीं करने पर विमं ने कनेक्शन काटे

हरिभूमि न्यूज़ ॥ बड़वारा

बड़वारा वितरण केन्द्र में लंबित बकाया विद्युत बिल वसूली एवं विद्युत चोरी की जाँच हेतु तीन विशेष टीमों ने वितरण केन्द्र में बकायादार उपभोक्ताओं एवं अवैध रूप से विद्युत का उपयोग करने वाले परिसरों की सघन जांच की। बड़वारा वितरण केंद्र के विभिन्न ग्रामों में जहां कनेक्शन पर बिल बकाया राशि होने पर पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे आज उनके विद्युत कनेक्शनों का डिसकनेक्शन की के कार्यों में सहयोग प्रदान करें।



खबर संक्षेप



चाकू से हमला करने वाले दो नाबालिग पकड़ाए

इन्द्रानगर में चाकूबाजी के मामले में पुलिस ने दो विधि उल्लंघनकारी बालको को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार फरियादी मनी शंकर निषाद 24 वर्ष निवासी इन्द्रानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका चचेरा भाई विकास निषाद घर आया और बताया कि विधि उल्लंघनकारी किशोर द्वारा उसे गालियां देते हुए जान से मारने की नियत से चाकू से हमला किया गया जिससे वह घायल होकर गिर गया। घायल को शासकीय अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया। फरियादी की रिपोर्ट पर विधि उल्लंघनकारी किशोर के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। दौरान विवेचना के घटना को अंजाम देने वाले के बारे में सुराग जुटाये जिसके फलस्वरूप कुठला पुलिस ने आहत से पूछताछ की जिसने दो लोगों द्वारा घटना घटित करना बताया जिसके पश्चात पता तलाश करने पर दोनो विधि उल्लंघनकारी बालको को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर घटना घटित करना स्वीकार किये तथा घटना में प्रयुक्त चाकू को जप्त किया गया है। विधि उल्लंघनकारी बालकों को किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से जबलपुर बाल संप्रेषण गृह हेतु आदेशित करने से जबलपुर बाल संप्रेषण गृह मे दाखिल कराया गया।

दुष्कर्म के आरोपी को जंगल से किया गिरफ्तार कटनी। एन.के.जे. थाना पुलिस ने महिला से दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार महिला थाना कटनी से प्राप्त जीरो एफआईआर की डायरी के आधार पर पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज किए। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर ग्राम सिमरा निवासी रामसुजान कोल 45 के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1) और 351(3) के तहत रेफरण दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तलाश शुरू की। इसी दौरान ग्राम सिमरा के जंगल में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक रुपेंद्र राजपूत, महिला थाना प्रभारी वर्षा सोनकर, उप निरीक्षक मेघा मिश्रा, सडन सहपाल परतेली, सडन केवल राजेक, आरक्षक अर्पित पटेल, राजेश काछी, नरेन्द्र टेकाम तथा वंदना पथरिया शामिल रही।

पैसों की अवैध मांग, मारपीट करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार कटनी। उमरियापान पुलिस ने शराब के लिए अवैध पैसों की मांग, मारपीट एवं धमकी देने के दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपितों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत पहले मामले में पुरवा मोहल्ला निवासी एक महिला से दुकान के सामने शराब पीने के लिए जबर्न पैसों की मांग कर गाली-गलौज व मारपीट की गई थी। वहीं दूसरे मामले में मुड़िया पुरवा में दो भाइयों से शराब के लिए पैसों की अड़ौबाजी करते हुए उन पर हमला कर चोट पहुंचाई गई थी। दोनों ही मामलों में पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उमरियापान पुलिस ने घटना घटित होने के महज 24 घंटे के भीतर संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों मामलों के सभी आरोपियों को अपनी गिरफ्त में ले लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों सोमनाथ बर्मन 18 वर्ष 06 माह एवं आकाश उर्फ अरुण बर्मन 19 वर्ष दोनों निवासी उमरियापान को विधिगिरफ्तार कर लिया है। वहीं घटना में संलिप्त एक 14 वर्षीय बालक को विधि विरुद्ध बालक के रूप में निरुद्ध (अभिरक्षा में) कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की गई है।

रक्तदान शिविर में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने निभाई भागीदारी, 61 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

हरिभूमि न्यूज़ ॥ कटनी

सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार 17 सितंबर को जिला चिकित्सालय कटनी में आयोजित जिला स्तरीय रक्तदान शिविर मानव सेवा और संवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण बन गया। किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने के संकल्प के साथ लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर में 61 लोगों ने रक्तदान कर 61 यूनिट रक्त संग्रहित कराया, जो जरूरत के समय बीमार, घायल, दुर्घटना पीड़ित और अन्य जरूरतमंद मरीजों के उपचार में जीवनरक्षक साबित होगा। सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए कलेक्टर आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा स्वयं जिला चिकित्सालय पहुंचे और रक्तदान किया। दोनों अधिकारियों ने रक्तदान कर न केवल अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई, बल्कि जिलेवासियों को भी इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने का संदेश दिया।

कलेक्टर आशीष तिवारी और एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है। किसी दुर्घटना या गंभीर बीमारी की स्थिति में समय पर रक्त उपलब्ध होना मरीज के



लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसलिए स्वस्थ और पात्र नागरिकों को आगे आकर रक्तदान करना चाहिए। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी ऐसे व्यक्ति की जिंदगी बचा सकता है, जिसे आप जानते तक नहीं हैं।

विशेष मौकों पर करें रक्तदान

शिविर में रक्तदाताओं ने पूरी उत्सुकता और सेवा भावना के साथ रक्तदान किया। कुल 61 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। यह रक्त अस्पताल में उपचाररत ऐसे मरीजों के लिए उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिन्हें जीवन बचाने के लिए रक्त की तत्काल आवश्यकता होती है। रक्तदान

करने वाले नागरिकों ने भी इसे सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि जन्मदिवस, विशेष अभियान या किसी भी अवसर को रक्तदान जैसे सेवा कार्य से जोड़ना समाज के लिए सकारात्मक संदेश है। शिविर में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरि, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज सिंह ठाकुर और सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। जिला चिकित्सालय में आयोजित

निलंबित फरार सीएसपी मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई 21 को

हरिभूमि न्यूज़ ॥ कटनी

जिले के चर्चित मामले में निलंबित फरार नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया की ओर से दाखर याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय जबलपुर ने राज्य सरकार को 21 सितंबर 2026 से पहले अपना विस्तृत जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने मामले को 21 सितंबर के लिए सूचीबद्ध करते हुए स्पष्ट किया है कि याचिकाकर्ता की अंतरिम सुरक्षा व राहत की अर्जी पर उसी दिन विचार किया जाएगा।

गौरतलब है कि कुठला थाने में पद के दुरुपयोग, धोखाधड़ी और जमीन हड़पने की गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया, मुख्य फाइनेंसर क्षितिज राज बारापात्रे और एक अन्य आरोपी मारुफ हनफ़ी फरार चल रहे हैं।

आरोप है कि कुठला थाना क्षेत्र में हत्या के एक मामले में आरोपी को लाभ पहुंचाने के लिए चालान (चार्जशीट) पेश करने में जानबूझकर देरी की गई। इसके बाद आरोपी के परिजनों पर दबाव बनाकर लगभग 1 करोड़ रुपये की कीमती जमीन को बेहद कम दामों में अपने सहयोगियों के नाम हस्तांतरित करवा लिया गया।

हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल खरे और अधिवक्ता प्रियंक अग्रवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत के समक्ष पक्ष रखते हुये कहा कि याचिकाकर्ता को इस मामले में दुर्भावनाश्र झूठा फंसाया गया है। दर्ज एफआईआर को अगर उसके मूल रूप में भी देखा जाए, तो उसमें नेहा पच्चीसिया के खिलाफ कोई सीधा अपराध घटित होना नहीं दर्शाता। याचिकाकर्ता और मामले के अन्य सह-आरोपियों के बीच

कोई सीधा संबंध या सांठगांठ नहीं है। याचिकाकर्ता दो छोटे बच्चों की मां हैं और उनकी देखभाल व परवरिश की पूरी जिम्मेदारी अकेले उन्हीं पर है। इस आपराधिक कार्यवाही के कारण वे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर पा रही हैं। याचिकाकर्ता के वकीलों ने कोर्ट से प्रार्थना की कि याचिका पर अंतिम निर्णय आने तक उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक या कठोर कानूनी कार्रवाई पर रोक लगाई जाए।

वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता एच.एस. रूपराह और शासकीय अधिवक्ता अमित पांडेय ने अंतरिम राहत की मांग का तीखा विरोध किया। अभियोजन ने अदालत को बताया कि आरोपित अधिकारी पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं और एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही फरार हैं। उनके देश छोड़कर बाहर

अपहरण एवं बेरहम पिटाई पर दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ॥ कटनी

एक युवक का अपहरण कर बेरहमी से मारपीट करने वाले दो मुख्य आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने कुछ घंटों में ही दबोच लिया। आरोप है कि आरोपितों ने पीड़ित को बंधक बनाकर न केवल बेल्ट और लात-चूंसों से पीटा, बल्कि शरीर में सिगरेट से भी दागा। पुलिस ने मुख्य आरोपी अजय माली और उसके साथी साहिल खान को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

बातचीत के बहाने बुलाया और तरीके से की धुनाई

पुलिस के अनुसार पीड़ित पंकज मेहरा 24 वर्ष निवासी गायत्री नगर (हाल निवासी रांझी, जबलपुर) ठेकेदारी का काम करता है। 12 सितंबर की सुबह करीब 9:30 बजे वह कटनी रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा था, तभी उसका

पुराना परिचित अजय उर्फ अन्नू माली स्कूटी से पहुंचा। बातचीत के बहाने अजय उसे मधई मंदिर स्थित अपने घर ले गया और फोन करके अपने तीन अस्थायी साथियों को बुला लिया। वहां पुरानी रंजिश और कथित तौर पर कुछ फोटो व दस्तावेजों के विवाद को लेकर उन्हींने पंकज से जमकर मारपीट की। पीड़ित किसी तरह वहां से भागकर जबलपुर जाने के लिए कटनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर पहुंचा। हालांकि, आरोपी पीछा करते हुए वहां भी आ पहुंचे और जबर्न ऑटो में बैठाकर उसे एन.के.जे. बजरिया स्थित एक मकान में ले गए। वहां एक कमरे में बंद कर आरोपियों ने उसे फिर से पीटा और साहिल खान के साथी ने सिगरेट से पंकज के हाथ और पीठ को जगह-जगह से दाग दिया। शाम को मौका पाकर पीड़ित चंगुल से छूटा और डर के मारे जबलपुर चला गया। 15 सितंबर को उसने परिजनों

के साथ कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की धरपकड़ शुरू की।

मुखबिर और तकनीकी मदद से मुख्य आरोपी अजय उर्फ अन्नू माली को मुड़वारा स्टेशन के पास से और साहिल खान को कुठला क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया जबकि अमन और उसका एक अन्य साथी फरार बताये गये हैं।

फरार आरोपितों की तलाश

थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है। अन्य दो फरार आरोपियों को तलाश जारी है, जिन्हें जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

इन्वेस्टमेंट स्कैम, डिजिटल अरेस्ट, डिजिटल साक्ष्य संरक्षण की दी गई जानकारी

साइबर ठगी से बचाव के साथ कानूनी राहत का रास्ता भी बताएगा आईटी एक्ट

हरिभूमि न्यूज़ ॥ कटनी

डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध और डिजिटल लेन-देन से जुड़े विवाद भी लगातार चुनौती बन रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में नागरिकों और संबंधित संस्थाओं को साइबर अपराधों की पहचान, उनसे बचाव तथा घटना के बाद उपलब्ध वैधानिक उपायों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीडओ श्रीमति हरसिमरनप्रीत कौर व जिला प्रबंधक सौरभ नामदेव की उपस्थिति में कटनी में “साइबर डिस्प्यूट रिजोल्यूशन फ्रेमवर्क अंडर द इनफार्मेशन टेक्नालॉजी एक्ट, 2000—प्रोटेक्शन ऑफ कम्प्यूटर



रिसेंस एंड सेन्सिटिव डाटा बाय बॉडी कांपोरेट” विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं के साथ-साथ इनफार्मेशन टेक्नालॉजी एक्ट, 2000 के अंतर्गत उपलब्ध वैधानिक रेमेडिस, डिजिटल एेवीडेन्स, इनवेस्टीगेशन प्रोसेस

और एजूडीकेटींग ऑफीसर के एडजूडीकेशन मेकेनिज्म पर विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के प्रारंभिक सत्र में वर्तमान समय में तेजी से सामने आ रहे इनवेस्टमेंट स्कैम के तौर-तरीकों को उदाहरण के साथ समझाया गया। बताया गया कि साइबर अपराधी शेयर बाजार, क्रिप्टोकರೆसी अथवा अन्य

बह्मनगवां प्राथमिक शाला

का मामला, सुविधाओं एवं सुरक्षा का अभाव

हरिभूमि न्यूज़ ॥ बड़वारा

बड़वारा विकासखंड स्थित ग्राम बम्हनगवां में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला के बच्चे बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा के अभाव में तिरपाल के सहारे अपनी पढ़ाई करने को मजबूर हैं। हाल ही में इस बदहाली का ग्रामवासियों व पालकों के विरोध के चलते शिक्षा विभाग और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

शासकीय प्राथमिक शाला का मूल भवन पूरी तरह जर्जर और खरनकाव हो चुका था। किसी भी संभावित हादसे को रोकने के लिए उच्च अधिकारियों के निर्देश पर स्कूल को एक निजी मकान के परिसर में अस्थायी रूप से शिफ्ट किया गया। वर्तमान में एक तरफ दीवार और दूसरी तरफ तिरपाल

शाला भवन हुआ खस्ताहाल, असुविधाओं के बीच गढ़ा जा रहा विद्यार्थियों का भविष्य



बांधकर बरामदे में कक्षाएं चलाई जा रही हैं।

विभाग नहीं दे रहा ध्यान

शाला के प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश तिवारी ने बताया कि स्कूल भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। बच्चों की जान-माल की सुरक्षा को देखते हुए ही इसे अस्थायी रूप से निजी परिसर में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट

शाला भवन हुआ खस्ताहाल, असुविधाओं के बीच गढ़ा जा रहा विद्यार्थियों का भविष्य

का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था का अभाव नए स्थान पर न तो बाउंड्रीवॉल है और न ही बच्चों की सुरक्षा का कोई ठोस इंतजाम। खुला इलाका होने के कारण बारिश के मौसम में सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीवों का खतरा लगातार बना रहता है। बच्चे हर पल डर के साए में पढ़ने को विवश हैं।

तिरपाल के सहारे पढ़ाई

अभिभावकों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि मासूमों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए भवन का निर्माण जल्द स्वीकृत किया जाए। यदि नया भवन बनने में समय लग रहा है, तो जर्जर भवन की तत्काल मरम्मत कराई जाए ताकि बच्चों को इस असुरक्षित माहौल और तिरपाल के नीचे न बैठना पड़े।

तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला 5 अक्टूबर से

हरिभूमि न्यूज़ ॥ कटनी

शासकीय सेवकों में सकारात्मक कार्य संस्कृति, उत्तरदायी नेतृत्व तथा जनसेवा के प्रति संवेदनशील एवं आनंदपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से राज्य आनंद संस्थान द्वारा आई.सी. सेंटर फॉर गवर्नेस (आईसीसीजी), नई दिल्ली के सहयोग से ‘एथिक्स एंड वैल्यूज इन पब्लिक सर्विसेज’ विषय पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 5 से 7 अक्टूबर तक आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में आयोजित होगी।

कार्यशाला में आई.सी.सी.जी., नई दिल्ली के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कटनी आसपास हरिभूमि

6

जिला अस्पताल में 15 अक्टूबर तक शुरू होगा क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक

कलेक्टर आशीष तिवारी एवं पुलिस अधीक्षक शअभिनय विश्वकर्मा ने गुरुवार को जिला अस्पताल परिसर में 14.5 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने 15 अक्टूबर तक नये भवन में हर हाल में स्वास्थ्य सेवायें शुरू कराने की हिदायत दी। उन्होंने नवनिर्मित भवन के विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं सहित बनने वाले वाडों, आपरेशन कक्ष आदि का गहन निरीक्षण किया और सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

शल्य चिकित्सा एवं आइसोलेशन

कक्ष की व्यवस्थाएं देखीं

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी एवं एसपी श्री विश्वकर्मा ने शल्य चिकित्सा कक्ष एवं आइसोलेशन कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं, आवश्यक संसाधनों तथा



मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं और संचालन प्रक्रिया की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री तिवारी ने सिविल सर्जन श्री यशवंत वर्मा को निर्देशित किया कि क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक को शीघ्र प्रारंभ करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि जिले के गंभीर मरीजों को आधुनिक एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए और मरीजों की सुविधा को

सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जिस पर सिविल सर्जन श्री यशवंत वर्मा ने कलेक्टर को अवगत कराया कि क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक को 15 अक्टूबर तक प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके शुरू होने से गंभीर मरीजों को जिला स्तर पर ही बेहतर उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कलेक्टर श्री तिवारी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि शल्य चिकित्सा कक्ष में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. राजसिंह ठाकुर, सिविल सर्जन यशवंत वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

भागीदारी ने सेवा संकल्प अभियान को सार्थकता प्रदान की।

गरीबों को खाद्यान्न एवं बच्चों को ड्रेस का किया वितरण



बड़वारा के ग्राम पंचायत भवन में महिला बाल विकास विभाग एवं बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस को गरीब महिलाओं को अनाज का वितरण एवं बच्चों को ड्रेस का वितरण कर मनाया गया। इस अवसर पर बड़वारा की सरपंच श्रीमती सुनेना बाई तेकाम भाजपा मंडल अध्यक्ष अनुराग गुप्ता, महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी अब्दुल गफ्फार, परियोजना अधिकारी इंद्र कुमार साहू, नायब तहसीलदार रामटेके, बड़वारा मैडिकल ऑफिसर आयुष जाधव, बारडोली संस्था से रामलखन चौधरी, राजेश चौधरी, महिला बाल विकास से पर्यवेक्षक पर्यवेक्षक अर्पिता प्यासी रेशमा परवीन आयुषी शर्मा रोशनी गुला महिलाओं एवं बच्चों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के जन्म दिन पर बच्चों द्वारा केक काटा गया मुख्य अतिथियों द्वारा गरीब महिलाओं को राशन वितरण किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा पोषण माह के संबंध में पोषण प्रदर्शनी लगाई गई एवं अतिथियों द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं उपास्थित महिलाओ को शाम को दीपक जलाने हेतु मिट्टी के दिये भेंट किए गए। कार्यक्रम का सवालन राजेश चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता काशी विश्वकर्मा, माया विश्वकर्मा, अंजनी पटेल, ज्योति सिंह, संस्था के सदस्य सेक्टर प्रभारी गणपत कोल, कार्यक्रम अधिकारी शिवकुमार चौधरी, माया गुप्ता एवं लक्ष्मी सिंह रघुवंशी उपस्थित रही।

बीते तीन साल से चल रहा रिसर्च, रिजर्व के अंदर बसे गांव का विस्थापित होना बढ़ती संख्या का मुख्य कारण

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 51 साल से भेड़ियों का दबदबा कायम, बढ़ रहा कुनबा

मध्यप्रदेश को ‘वुल्फ स्टेट’ का दर्जा दिलाने में अहम भूमिका, खुले घास के मैदान बने अनुकूल आवास

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ तैदूखेड़ा

मध्यप्रदेश में भारतीय भेड़ियों के सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवासों में शामिल वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में भेड़ियों का दबदबा लंबे समय से कायम है। दमोह, सागर और नरसिंहपुर जिलों की सीमाओं में फैले इस प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व की पहचान बाघों के साथ भारतीय ग्रे वुल्फ के लिए भी बनी हुई है। यहां पिछले तीन साल से भारतीय भेड़ियों पर शोध किया जा रहा है।जबलपुर स्थित राज्य वन



अनुसंधान संस्थान द्वारा फरवरी 2024 से टाइगर रिजर्व में भेड़ियों के रहन-सहन, भोजन, व्यवहार और आवास को लेकर अध्ययन किया जा रहा है। प्रबंधन के अनुसार वर्ष 2026 में अखिल भारतीय बाघ गणना के लिए लगाए गए टैप कैमरों में भेड़ियों की मौजूदगी भी दर्ज हुई

है। उम्मीद है कि इस बार भेड़ियों की संख्या के आंकड़े भी सामने आएंगे।

खुले घास के मैदान बने भेड़ियों का सहाय टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. रजनीश सिंह ने बताया कि यहां पाए जाने वाले भेड़िए इंडियन ग्रे

वुल्फ हैं, जो मध्य और उत्तरी भारत में पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि भेड़ियों के लिए खुले घास के मैदान अनुकूल आवास होते हैं। नौरादेही क्षेत्र में ऐसे बड़े मैदान मौजूद हैं।उन्होंने कहा कि औद्योगिकीकरण, खेती के विस्तार, कृषि में बढ़ते रासायनिक उपयोग और मशीनों के बढ़ते इस्तेमाल से कई क्षेत्रों में भेड़ियों के प्राकृतिक आवास प्रभावित हुए हैं। इसके विपरीत संरक्षित क्षेत्र में गांवों के विस्थापन के बाद खाली हुई भूमि धीरे-धीरे घास के मैदानों में बदल रही है, जो भेड़ियों के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ तैयार कर रही है।

51 साल से बना हुआ है प्राकृतिक आवास नौरादेही को वर्ष 1975 में

अभयारण्य का दर्जा मिला था और तभी से यह क्षेत्र भारतीय भेड़ियों के प्राकृतिक आवास के रूप में पहचाना जाता रहा है। वर्ष 2018 में बाघ पुनर्स्थापना परियोजना के तहत यहां दो बाघ लाए गए थे। प्रबंधन के अनुसार पिछले आठ वर्षों में बाघों की संख्या बढ़कर करीब 30 हो गई है। सितंबर 2023 में नौरादेही को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला।डॉ. सिंह के अनुसार देश में भारतीय भेड़ियों की संख्या कई क्षेत्रों में कम हुई है, ऐसे में नौरादेही जैसे संरक्षित क्षेत्र में उनकी अच्छी मौजूदगी संतोष का विषय है। वर्ष 2026 में भेड़ियों की संख्या के आंकड़े जारी होने पर बुंदेलखंड सहित दमोह, सागर और नरसिंहपुर के लिए यह महत्वपूर्ण जानकारी होगी।



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ हिण्डौरिया

संतान सप्तमी व्रत के अवसर पर महिलाओं ने निराहार रहकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना की। महिलाओं ने सात गाँवों वाला डोरा हल्दी और केसर से

परंपराओं पर भी पड़ा है। हर साल व्रत-पूजा पर चांदी के नए कड़े और चूड़ियां खरीदने की परंपरा रही है, लेकिन कीमतें बढ़ने के कारण अब महिलाएं भारी कड़े-चूड़ियों की जगह हल्के वजन के तार वाले छल्ले और अंगूठियां खरीद रही हैं। पंडित संतोष पुरोहित ने बताया कि जिन महिलाओं के पास सोने या चांदी के कड़े, चूड़ी अथवा छल्ले नहीं हैं, वे सात गाँवों वाला पीला धागा धारण कर सकती हैं। धागे को शिव-पार्वती के समक्ष रखकर रोली, अक्षत, चंदन और फूलों से पूजन करने के बाद संतान की रक्षा की कामना के साथ दाहिने हाथ में बांधना चाहिए। शाम को महिलाओं ने तालावों पर पहुंचकर दीपदान किया और दान-दक्षिणा भी दी।

खबर संक्षेप

अमानगंज नगर परिषद की सफाई कर्मी महिला लापता, पति ने युवक पर ले जाने की जताई आशंका

अमानगंज। थाना अमानगंज क्षेत्र से नगर परिषद में सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत एक महिला इट्यूटी के लिए घर से निकलने के बाद लापता हो गई। महिला के पति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अमानगंज वार्ड क्रमांक 6 निवासी एक युवक पर पत्नी को अपने साथ ले जाने की आशंका जताई है। फरियादी के अनुसार उसकी पत्नी 11 सितंबर की शाम करीब 5 बजे नगर परिषद में इट्यूटी के लिए गई थी। रात 8 बजे तक घर वापस नहीं लौटने पर पति ने नगर पालिका पहुंचकर उसके बारे में जानकारी ली, लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद पति और उसके बेटे ने गांव, मोहल्ले तथा रिस्तेदारियों में तलाश की, लेकिन महिला का कोई सुरांग नहीं मिला। पति ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी की संबंधित युवक से बातचीत होती थी, जिसे उसने पहले बातचीत करने से मना किया था। बाद में पत्नी ने उससे बातचीत बंद कर दी थी। हालांकि, अब पति ने आशंका जताई है कि वही युवक उसकी पत्नी को अपने साथ कहीं ले गया है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर धारा 140(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

विश्वकर्मा जयंती पर निकली मत्स्य शोभायात्रा

फुटेरा कला में विभिन्न समाजों के लोगों ने शामिल होकर दिया सामाजिक एकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बटियागढ़

विकासखंड अंतर्गत ग्राम फुटेरा कला में विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज द्वारा चंडी माता मंदिर से भव्य शोभायात्रा एवं प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन के साथ ग्राम की विभिन्न समाजों के लोगों ने भी सहभागिता की। शोभायात्रा चंडी माता मंदिर से प्रारंभ होकर ग्राम के प्रमुख मार्गों, असाटी तिराहा और बाजार सहित विभिन्न स्थानों से होकर निकली। इस दौरान भगवान विश्वकर्मा के जयकारों से



पूरा ग्राम भक्तिमय नजर आया। प्रभात फेरी में समाज की माताओं-बहनों और युवाओं सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता बुजेंद्र राव, मंगल कुशवाह सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा का स्मरण कर पर्व की खुशियां साझा कीं।

विश्वकर्मा समाज के लोगों ने बताया कि जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष प्रभात फेरी और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। आयोजन में समाज की माताओं-बहनों, युवाओं और ग्राम की विभिन्न समाजों के लोगों की सहभागिता रही। शोभायात्रा ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।

तेजगढ़ में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती



होकर हवन-पूजन कर भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा की। ग्राम पतलोनी के शारदा माता मंदिर प्रांगण में भगवान विश्वकर्मा जी का मंदिर बनकर तैयार हो गया है, जल्द ही मूर्ति स्थापना की जाएगी। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह है। इसी तरह खर्राघाट, तैदूखेड़ा सहित क्षेत्र के कई ग्रामों में भी विश्वकर्मा जयंती पर धूमधाम से कार्यक्रम आयोजित किए गए। जगह-जगह भंडारे और प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया।

तेजगढ़। जिले के तैदूखेड़ा जनपद से लेकर तेजगढ़ ग्राम सहित ग्रामीण अंचलों में भगवान विश्वकर्मा की जयंती बड़े हर्षोल्लास श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर हवन-पूजन और महाआरती की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा के जयकारे लगाए। और तेजगढ़ से 2 किलोमीटर दूर ग्राम पतलोनी में भी भगवान विश्वकर्मा जयंती का भव्य आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने एकत्रित होकर हवन-पूजन कर भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा की। ग्राम पतलोनी के शारदा माता मंदिर प्रांगण में भगवान विश्वकर्मा जी का मंदिर बनकर तैयार हो गया है, जल्द ही मूर्ति स्थापना की जाएगी। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह है। इसी तरह खर्राघाट, तैदूखेड़ा सहित क्षेत्र के कई ग्रामों में भी विश्वकर्मा जयंती पर धूमधाम से कार्यक्रम आयोजित किए गए। जगह-जगह भंडारे और प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया।

बच्चों ने मिट्टी से गढ़ी आस्था और सृजनशीलता की सुंदर प्रतिमाएं शासकीय प्राथमिक शाला बसिया में माटी के गणेश निर्माण कार्यशाला

बटियागढ़। पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति और बच्चों में रचनात्मकता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से शासकीय प्राथमिक शाला बसिया, विकासखंड बटियागढ़, जिला दमोह में माटी के गणेश निर्माण गतिविधि आयोजित की गई। इसमें विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्राकृतिक मिट्टी से भगवान श्रीगणेश की सुंदर प्रतिमाएं तैयार कीं। गतिविधि के दौरान शिक्षक श्रीकान्त पटेल ने बच्चों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की विधि सबझाई तथा प्राकृतिक मिट्टी के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों की स्वयं करके सीखने के लिए प्रेरित किया। शिक्षक मोहन लाल अहिंरवार ने बच्चों को गणेश प्रतिमा निर्माण के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर अपनी कला और रचनात्मकता को व्यक्त किया जा सकता है। वहीं शिक्षिका पिकी साहू ने बच्चों को मिट्टी के गणेश बनाने



के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए गतिविधि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। स्कूल प्रभारी दिलीप असाटी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अपनी संस्कृति के प्रति जुड़ाव बढ़ता है। माटी के

गणेश निर्माण के माध्यम से बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी आसानी से समझाया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली। बच्चों ने स्वयं मिट्टी को आकार देकर विभिन्न प्रकार की गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। गतिविधि के माध्यम से बच्चों में स्वयं करके सीखने, रचनात्मक जोश, हाथों के कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिला।

संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा व्रत



तैदूखेड़ा। नगर एवं क्षेत्र में गुरुवार को संतान सप्तमी का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर व्रत रखा तथा भगवान सूर्यदेव एवं शिव-पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को संतान सप्तमी का व्रत किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से संतान को आरोग्य एवं दीर्घायु प्राप्त होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। कई महिलाएं संतान प्राप्ति की कामना को लेकर भी यह व्रत करती हैं। इस संबंध में पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि संतान सप्तमी व्रत संतान सुख प्रदान करने वाला माना गया है। धार्मिक कथाओं में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा पांडव पुत्र युधिष्ठिर को इस व्रत की महिमा बताए जाने का उल्लेख मिलता है। कथा के अनुसार माता देवकी के पुत्रों को कंस जन्म लेते ही मार देता था। तब लोमश ऋषि ने माता देवकी को संतान सप्तमी व्रत का विधान बताया। माता देवकी ने श्रद्धापूर्वक व्रत का पालन किया। धार्मिक मान्यता है कि इसी व्रत के प्रभाव से भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ और उन्होंने कंस के अत्याचार से धरती को मुक्ति दिलाई। पर्व के दौरान महिलाओं ने उपवास रखकर पूजन-अर्चन किया और संतान के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

दशलक्षण महापर्व के पहले दिन बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

पाठशाला के बच्चों ने ‘पाठशाला जो न भेजें तो बहुत पछताओगे’ की सुंदर प्रस्तुति देकर दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सिंगामपुर

दशलक्षण महापर्व के शुभारंभ अवसर पर सिंगामपुर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। महापर्व के प्रथम दिन सुबह मंदिर जी में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं विधान विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के श्रद्धालुजन मौजूद रहे और धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता की। शाम के समय मंदिर प्रांगण में सामूहिक आरती के पश्चात उपवन का आयोजन किया गया। इसके बाद पाठशाला के नव-मुक्ते बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने धार्मिक एवं सामाजिक संदेशों से जुड़ी विभिन्न प्रस्तुतियां देकर उपस्थित समाजजनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा ‘पाठशाला जो न भेजें तो बहुत पछताओगे’ विषय पर दी गई



प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से धार्मिक संस्कारों, पाठशाला के महत्व तथा बच्चों को संस्कारवान बनाने का संदेश दिया। नवहे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति देखकर उपस्थित लोगों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान पाठशाला के बच्चों को उनकी प्रस्तुतियों एवं सहभागिता के लिए पुरस्कार भी वितरित किए गए। समाज के लोगों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। कार्यक्रम को सफल

बनाने में पाठशाला की दाँदियाँ सृष्टि जैन, श्रद्धा जैन, मुस्कान जैन, चंचल जैन एवं मेधा जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन सृष्टि जैन, श्रद्धा जैन एवं मेधा जैन द्वारा किया गया। दशलक्षण महापर्व के प्रथम दिन धार्मिक आयोजनों के साथ बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना दिया। समाजजनों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया।

महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ



का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस सेवा संकल्प कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को सेवा, सामाजिक सहभागिता एवं जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सुनील गिरी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला।

तैदूखेड़ा। शासन के निर्देशानुसार गुरुवार को स्थानीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान 2श का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की और सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री ठाकुर ने अपने उद्बोधन में अभियान के उद्देश्य एवं आगामी एक माह के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को दी। उन्होंने विद्यार्थियों से अभियान की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर गायत्री कुंज में रोपे अशोक के दो पौधे

नरसिंहगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर नरसिंहगढ़ स्थित गायत्री कुंज प्रांगण में अखिल विश्व गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिसर में अशोक के दो पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती ललती संतोष मोदी के साथ महिलाओं ने सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया। श्रीमती कल्लू पटेल, श्रीमती चंदा रजक सहित अन्य महिलाओं ने पौधों के संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। जनपद सदस्य श्रीमती ललती संतोष मोदी ने कहा कि पौधरोपण केवल पौधा लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। लगाए गए पौधों की सुरक्षा, नियमित देखभाल और समय-समय पर सेवा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से अशोक के दोनों पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी के साथ यह पौधरोपण किया गया है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने और उनके वृक्ष बनने तक निरंतर देखभाल करने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ समाज में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर नरसिंहगढ़ स्थित गायत्री कुंज प्रांगण में अखिल विश्व गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिसर में अशोक के दो पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती ललती संतोष मोदी के साथ महिलाओं ने सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया। श्रीमती कल्लू पटेल, श्रीमती चंदा रजक सहित अन्य महिलाओं ने पौधों के संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। जनपद सदस्य श्रीमती ललती संतोष मोदी ने कहा कि पौधरोपण केवल पौधा लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। लगाए गए पौधों की सुरक्षा, नियमित देखभाल और समय-समय पर सेवा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से अशोक के दोनों पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी के साथ यह पौधरोपण किया गया है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने और उनके वृक्ष बनने तक निरंतर देखभाल करने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ समाज में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया जा सकता है।



खबर संक्षेप

जितेंद्र राय नगर पालिका कर्मचारी महासंघ जिलाध्यक्ष नियुक्त

दमोह। मध्यप्रदेश नगर पालिका एवं संचालनालय स्थानीय संस्थाओं कर्मचारी महासंघ, भोपाल द्वारा दमोह जिले की महासंघ शाखा के जिलाध्यक्ष पद पर जितेंद्र राय को नियुक्त किया गया है। इस संबंध में अधिकृत प्रमाण-पत्र महासंघ के प्रांताध्यक्ष राकेश मिश्रा द्वारा जारी किया गया है। उन्होंने जिला अध्यक्ष राय को जल्द ही अन्य पदाधिकारियों का मनोनयन कर इसकी सूचना महासंघ के प्रांतीय कार्यालय एवं शाखा/संचालनालय तथा संभागीय कार्यालय नगरीय प्रशासन को भेजने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं सहित अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कुल 9 युनिट रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में शिवम साहू, सत्यम जैन, शुभम जैन, संजु नहरें, सोवु यादव, दिनेश लोधी, सुशील सोनी, सत्यपाल और भोला साहू शामिल रहे। इस दौरान रक्तदाताओं ने जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए रक्तदान करने का संदेश दिया। शिविर में रक्तदान करने वाले सुशील सोनी ने बताया कि यह उनका 16वां रक्तदान है। उन्होंने कहा कि वे नियमित रूप से लगभग तीन से चार माह के अंतराल में रक्तदान करते हैं।

संतान की सुख समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा व्रत



प्रसाद परिवार और बच्चों में बांटा गया, जिससे पूरे घर में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। यह व्रत संतान के प्रति माता के असीम प्रेम और समर्पण का प्रतीक है।

पटेरा में धूमधाम से मनाई भगवान विश्वकर्मा जयंती, निकली भव्य शोभायात्रा



हटा। संतान सप्तमी का व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को पूरे विधि-विधान के साथ गुरुवार को मनाया गया। इस दिन माताओं ने अपनी संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर, स्नान कर महिलाओं ने स्वच्छ वस्त्र धारण किए। पूजा के लिए एक चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित की गई। घी का दीपक जलाकर, फूल, अक्षत, पान, सुगारी, नारियल और वस्त्र एवं चांदी का चूड़ा आदि सामग्री अर्पित की गई। इसके बाद, भगवान को खीर-पूरी का भोग लगाकर पंडित लखन पन्था द्वारा संतान सप्तमी की व्रत कथा का श्रवण कराया गया। इस दौरान पूजा में शामिल हुई श्रीमती रिचा तिवारी, अनीता ठाकुर, अनुराधा प्रजापति और अन्य महिलाओं ने पूरी श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद भगवान शिव को अर्पित किया गया कलावा अपनी संतान की कलाई पर बांधा गया, जिससे बच्चों की लंबी आयु और सुरक्षा की कामना की गई। व्रत के दौरान माताओं ने केवल फल, दूध और दही का सेवन किया। पूजा संपन्न होने के बाद, भगवान को चढ़ाया गया

उल्लास का माहौल बना रहा। यह व्रत संतान के प्रति माता के असीम प्रेम और समर्पण का प्रतीक है।

पटेरा, दमोह। नगर पटेरा में सृष्टि के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलेही माता मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन के साथ हुई। इसके पश्चात मंदिर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा कलेही माता मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्ग, बस स्टैंड, हटा तिराहा, मरई माता मंदिर होते हुए पुनः कलेही माता मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में नगरवासियों द्वारा शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। डीजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर भक्त नाचते-गाते चल रहे थे। भक्तों का उत्साह देखने लायक था। जय श्री विश्वकर्मा के जयकारों से पूरा नगर गुंज उठा। शोभायात्रा के पश्चात कलेही माता मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में विश्वकर्मा समाज के साथ-साथ अन्य वर्गों के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल रहे, जिससे सामाजिक समरसता का परिचय मिला। आयोजन को सफल बनाने में विश्वकर्मा समाज के सभी पदाधिकारियों एवं युवाओं का विशेष सहयोग रहा।

जितना झुकोगे, उतना ही ऊपर उटोगे, मान-अहंकार छोड़ विनम्रता अपनाएं : मुनिश्री समतासागर जी

हरिभूमि न्यूज ►►► कुण्डलपुर

दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत उत्तम मार्दव धर्म की व्याख्या करते हुए निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि दस दिनों में धर्म को दस नामों से संबोधित किया जाता है, लेकिन ये दसो धर्म एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। धर्म समुद्र है तो दस लक्षण उसकी लहरें हैं, धर्म सूर्य है तो दस लक्षण उसकी किरणें हैं और धर्म खिला हुआ पुष्प है तो दस लक्षण उसकी परंछुरियां हैं। जिस प्रकार लहर समुद्र से अलग नहीं होती, उसी प्रकार दसों धर्म आत्मधर्म की ही अभिव्यक्तियां हैं।

मुनिश्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है। आत्मा में धर्म की अभिव्यक्ति हमारे भाव, वचन और व्यवहार में दिखाई देती है। दशलक्षण धर्म की साधना का सार शांति, समता और सद्भावना में निहित है। जहां ये भाव विकसित होते हैं, वहां चैत्र, विवाद और संघर्ष के स्थान पर सौहार्द का वातावरण बनता है।मुनिश्री ने आचार्य श्री के उन्होंने कहा कि ऐसी जगह की कल्पना कीजिए जहां सिंह और गाय एक ही घाट पर पानी पी रहे हों, सांप और नेवला साथ खेल रहे हों तथा बिल्ली और चूहा भी भय और वैर छोड़कर साथ दिखाई दें। ऐसा



वातावरण शांति, समता और सद्भावना के साम्राज्य का प्रतीक होगा। मार्दव का अर्थ केवल मधुर बोलना नहीं, बल्कि भीतर से विनम्र, सहज, लचीला और समभावी बनना है।मुनिश्री ने आचार्य श्री के साथ विहार का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि हवा में फल से लदी पेड़ों की डालियां झुक रही थीं। आचार्य श्री ने संकेत किया कि फल से लदी डालियां स्वाभाविक रूप से झुक जाती हैं। प्रकृति का यह संदेश है कि

जिसके जीवन में गुण आते हैं, उसके व्यवहार में विनम्रता स्वतः आने लगती है। जो व्यक्ति हर बात में 'मैं-मैं' करता है और परिस्थिति के अनुसार झुकने या समायोजन के लिए तैयार नहीं होता, उसके भीतर गुणों का विकास अभी अधूरा है। मुनि श्री ने बताया कि गुरुवर सुनाया करते थे कि हम हाथी के साथ तो चल सकते हैं अपने साथी के साथ नहीं चल सकते।इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए मुनिश्री पवित्रसागर

महाराज ने मान-अहंकार के दुष्परिणामों को हाथी के उदाहरण से समझाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी नाक, प्रतिष्ठा और मान-सम्मान को लेकर इतना सजग रहता है कि उसका जीवन कई बार इसी 'नाक' को ऊंचा रखने में बीत जाता है। वह मान के लिए खाता-पीता, उठता-बैठता और व्यवहार करता है, लेकिन अंततः जिस नाक को प्रतिष्ठा का प्रतीक मानता है, उसे भी जीवन की आवश्यकताओं के लिए झुकाना पड़ता है। मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य अपने रूप, रंग, बुद्धि, शक्ति, शरीर, पहनावे और उपलब्धियों का भी अधिमान करता है। कभी अपनी विशालता और शक्ति पर गर्व करने वाला हाथी भी मनुष्य के नियंत्रण में रहता है। उसके मथे पर पैर रखकर उसे चलाया जाता है और कई बार एक छोटा बच्चा भी उसे नियंत्रित कर लेता है। यह प्रसंग बताता है कि बाहरी विशालता ही वास्तविक महानता नहीं है। हाथी के 'स्तंभेरम' नाम का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि बचपन में उसे एक छोटे खंभे से बांध दिया जाता है। बाद में उसमें इतनी शक्ति आ जाती है कि वह बड़े वाहनों को भी पलट सकता है, फिर भी पुरानी धारणा के कारण वह उसी छोटे खंभे से बंधा रहता है। इसी प्रकार मनुष्य भी अपनी मानसिक धारणाओं और अहंकार

का बंधक बन जाता है।उन्होंने कहा कि मान व्यक्ति को हर क्षेत्र में आगे रहने, अपना नाम और प्रचार कराने की इच्छा देता है। लेकिन उत्तम मार्दव सिखाता है कि वास्तविक महानता दूसरों को छोटा दिखाने में नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर स्वयं झुकने में है। आचार्य समन्तभद्र के भावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जितना व्यक्ति स्वयं को नमाता है, उतना ही ऊपर उठता है। चंचक के उदाहरण में भी यही संदेश है कि जो नीचे झुकता है, वही ऊपर उठता है। मुनिश्री ने कहा कि मार्दव स्वयं को छोटा समझने का नहीं, बल्कि अपने भीतर के 'मैं' और अहंकार को छोटा करने का धर्म है। अहंकार घटेगा तो विनम्रता आएगी, विनम्रता से शांति, शांति से समता और समता से सद्भावना विकसित होगी। यही दशलक्षण पर्व की वास्तविक सार्थकता है। कार्यक्रम का संचालन बाल ब्रह्मचारी धीरज भैया एवं अनूप भैया ने किया। उन्होंने पंचमेर, सोलहकारण एवं दशलक्षण धर्म की संगीतमय पूजन संपन्न कराई। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ पूजन में सहभागिता की। दोपहर में तत्त्वार्थ सूत्र का वाचन सावं आचार्य भक्ति एवं समता समाधान तथा रात्रि में नाटिका की प्रस्तुति हो रही है।

नगर के जिनालयों में दस लक्षण पर्व की धूम

हरिभूमि न्यूज ►►►हटा

जैन धर्म की दस लक्षण पर्व प्रारंभ होते ही नगर के चारों जैन मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी है सभी मंदिरों में प्रातः अभिषेक, शांति धारा, पूजन विधान का संगीत में आयोजन किया जा रहा है। सांगानेर राजस्थान से आई महिमा दीदी,रिया दीदी ,रुचि एवं पूजा दीदी के द्वारा धर्म देशना दी जा रही है साथ ही सारे दिन धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से पर्व की महत्त्वता बतलाई जा रही है।

उत्तम क्षमा धर्म-

दशलक्षण पर्व के प्रथम दिवस उत्तम क्षमा धर्म के दिन दीदी रुचि ने बताया कि जिस पशुपुंषण महापर्व, जिस दशलक्षण धर्म का पालन हम लोग कर रहे हैं, उसका संबंध युग के आरंभ से है। यह पर्व एक त्रैकालिक पर्व है जो तीनों लोकों में, तीनों समय मनाया जाता है। धरती में एक बीज बोया जाता है। वह बीज मुदु माटी का संसर्ग पाकर नम होता है। उसके भीतर से अंकुर फूटता है, फिर उसमें विकास होता है और क्रमशः वृक्ष का रूप धारण करता है। जो दशा एक बीज से वृक्ष की है, वही दशा क्षमा से लेकर ब्रह्मचर्य तक की है। कैसे? धरती का मतलब होता है



क्षमा। जब हम अपने भीतर धर्म का बीज क्षमा की धरती पर डालते हैं, तो हमारी चेतना का बीज अंकुरित होता है। मुदु माटी के संसर्ग से मुदुता आना यानी मार्दव आना और उसके बाद उससे जो अंकुर फूटता है, वह एक दम सीधा कमलता है। इसी का नाम सरलता और आर्जव है। फिर ऐसे वह अंकुर उगकर बाहर आता है, उसका खरपतवार उग जाता है, उसकी सफाई का नाम शौच है। और सत्य के सूरज के दर्शन पाते ही वह संयम रूपी फूल खिलते हैं और धूप में तपता हुआ फल लगते हैं। उन फलों को अपने पास न रखकर वह फलों का त्याग देता है और जब पेड़ फलों को त्याग देता है तो उससे आर्कचंच्य स्वरूप प्रकट होता है, ममत्व रहित हो जाता है और यही हमारे परम ब्रह्म का स्वरूप है, यही ब्रह्मचर्य है। इस प्रकार से यह दशलक्षण की यात्रा है,

बड़ी अद्भुत कड़ी है। आज दशलक्षण का पहला धर्म क्षमा की महिमा हम सब ने सुनी है। मैं सोचती हूँ, पर किसकी बात करूँ? जब कभी क्षमा की बात आती है, तो बहुत सारी स्थितियाँ क्षमा की प्रतिमूर्ति दिख जाती हैं। जो वास्तविक क्षमा है, उसे कहा जाता है, सत्यपि प्रतिकार समर्थ्येऽपकारसहन् क्षमा। अर्थात्, प्रतिकार का सामर्थ्य होते हुए भी दूसरे के अपकार को सहन करना क्षमा है और यही वास्तविक क्षमा है। हम क्रोध रूपी जहर को अपने जीवन में अंगीकार करते हैं और उससे हम खुद का ही सर्वनाश करते हैं। इसीलिए हमें इस क्रोध रूपी जहर को नाश करके क्षमा रूपी अमृत को अपने जीवन में धारण करना है और अपनी इस आत्मा का कल्याण कर मोक्ष रूपी लक्ष्मी को प्राप्त करना है।

ग्रामीणों ने कहा- सुबह हाजिरी लगाकर दमोह चले जाते हैं, जांच की मांग

उप पशु केंद्र में डॉक्टर के नियमित नहीं बैठने का आरोप

पथरिया। विकासखंड पथरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत खोजाखेड़ी में संचालित उप पशु केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार केंद्र के लिए किसी प्रकार का सूचना बोर्ड भी नहीं लगा है और यह एक किराए के मकान में संचालित हो रहा है। मकान में पशु चिकित्सा संबंधी सामान रखा हुआ है।ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र पर पदस्थ डॉक्टर तिवारी सुबह करीब 9 बजे गांव पहुंचकर ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करते हैं और इसके बाद दमोह चले जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शाम के समय वे दोबारा गांव आते हैं। ऐसे में पशुपालकों को नियमित पशु चिकित्सा सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ ही संबंधित अधिकारियों से केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण करने की मांग की है, ताकि मौके की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। उनका कहना है कि ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था के बावजूद यदि कर्मचारी मौके पर उपलब्ध नहीं रहते हैं तो इसकी जांच जरूरी है।इस संबंध में उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. के.पी. पटेल ने कहा कि आपके द्वारा जानकारी दी गई है, मामले को दिखवाते हैं।



हरिभूमि न्यूज ►►►हटा

जिला पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया के निर्देशन एवं हटा एसडीओपी केपी सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में लगातार सक्रिय कार्यवाहियों को अंजाम दिया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी सुधीर बेगी के नेतृत्व में हटा थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम रसीलपुर में एक युवक को देशी 12 बोर कट्टा सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बरामद कट्टे की कीमत करीब 5 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के

अनुसार 17 सितंबर 2026 को पुलिस टीम शासकीय वाहन से क्षेत्र में भ्रमण पर थे। इसी दौरान चंडी जी मंदिर के पास मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम रसीलपुर में लालू अहिरवार के घर के सामने मेन रोड पर एक व्यक्ति हाथ में देशी कट्टा लेकर गाली-गलौज करते हुए घूम रहा है, जिसे समय रहते नहीं पकड़ा गया तो वह किसी गंभीर घटना को अंजाम दे सकता है। पुलिस टीम तत्काल मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर पहुंची। वहां मेन रोड पर एक व्यक्ति हाथ में लोहे का देशी 12 बोर कट्टा लिए दिखाई दिया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और कट्टे की जांच की। पृष्ठताछ में आरोपी ने अपना नाम आलोक कुर्मी पिता नारायण कुर्मी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम रसीलपुर थाना हटा बताया। पुलिस द्वारा आरोपी से कट्टा रखने

का लाइसेंस मांगा गया, लेकिन उसके पास कोई वैध लाइसेंस नहीं होना पाया गया। इसके बाद आरोपी के कब्जे से देशी 12 बोर कट्टा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5,000 रुपए है, विधिवत जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी आलोक कुर्मी के विरुद्ध धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज किया, आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर थाना लाया गया, जहां उसे हवालात में रखा गया। पुलिस द्वारा मामले में आगे विवेचना की जा रही है। कार्रवाई में शामिल पुलिस प्रधान आरक्षक भगवान दास दाहिया, आरक्षक राम सौंग आदि की टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को अवैध हथियार सहित पकड़ने में सफलता हासिल की गई।

तेजगढ़ सहित आसपास के गांवों में गणेशोत्सव की धूम गणेश पंडालों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

तेजगढ़। तेजगढ़ सहित आसपास के गांवों में गणेशोत्सव की धूम है। तेजगढ़ बस स्टैंड पर विराजमान स्टैंड के राजा गणपति के दर्शन के लिए शाम होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वहीं पतलोनी, हरई, उमरिया, सुनवाहा,

मांडनखेड़ा, कोट, खमरिया, गाड़ाघाट, करौंदी, पड़रिया, परासई, बिजौरा, पटेरिया, समरई और हिनौती सहित अन्य गांवों में भी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।गणेश पंडालों में सुबह-शाम विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और जयकारों के साथ भगवान गणेश को लड्डू सहित विभिन्न प्रकार के प्रसाद का भोग लगाया जा रहा है। पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में शामिल हो रहे हैं।कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। इससे गांवों में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और बड़ी संख्या में ग्रामीण दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि गणेशोत्सव श्रद्धा के साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश भी देता है। आगामी दिनों में भी विभिन्न स्थानों पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

क्षमा धर्म का बीज रोपित करोगे तो चेतन के फल अंकुरित होंगे - रुचि दीदी

